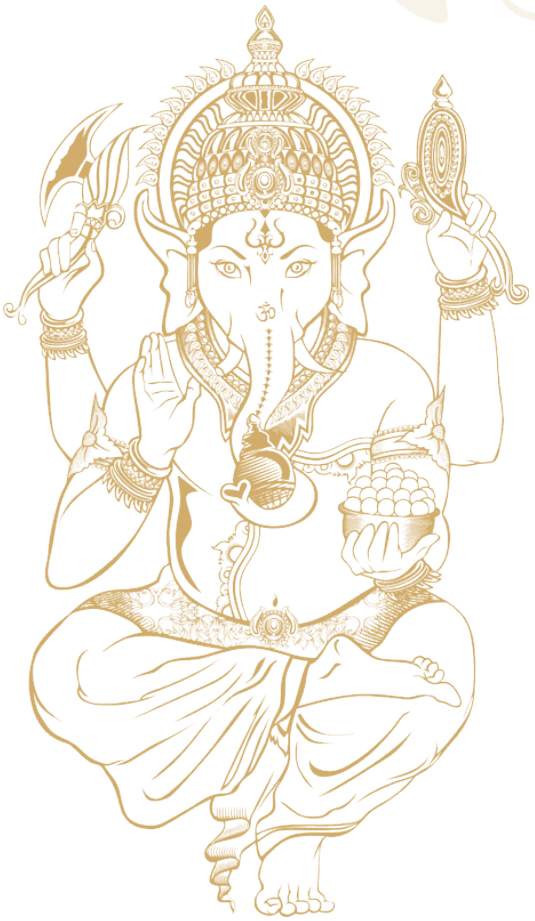

Bhagwati

27 Oct 1998

10:30 AM

Guna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121634221

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/10/1998**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	10:12:46 घटी
स्थान	**Guna**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:39:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:09:12 घंटे
वेलान्तर	00:16:07 घंटे
साम्पातिक काल	12:30:38 घंटे
सूर्योदय	06:24:53 घंटे
सूर्यास्त	17:44:24 घंटे
दिनमान	11:19:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:44:08 तुला
लग्न के अंश	02:40:54 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	धृति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:40:54	327:13:27	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	09:44:08	00:59:52	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			धनु	24:40:16	12:32:59	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			सिंह	18:03:42	00:35:45	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध			तुला	28:42:14	01:24:22	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	24:49:58	00:03:29	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	तुला	08:58:37	01:15:12	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	06:02:54	00:04:47	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	05:07:39	00:02:01	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	05:07:39	00:02:01	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:00:07	00:00:26	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:36:53	00:00:32	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:48:09	00:02:03	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			कन्या	14:30:04	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:15

लग्न-चलित

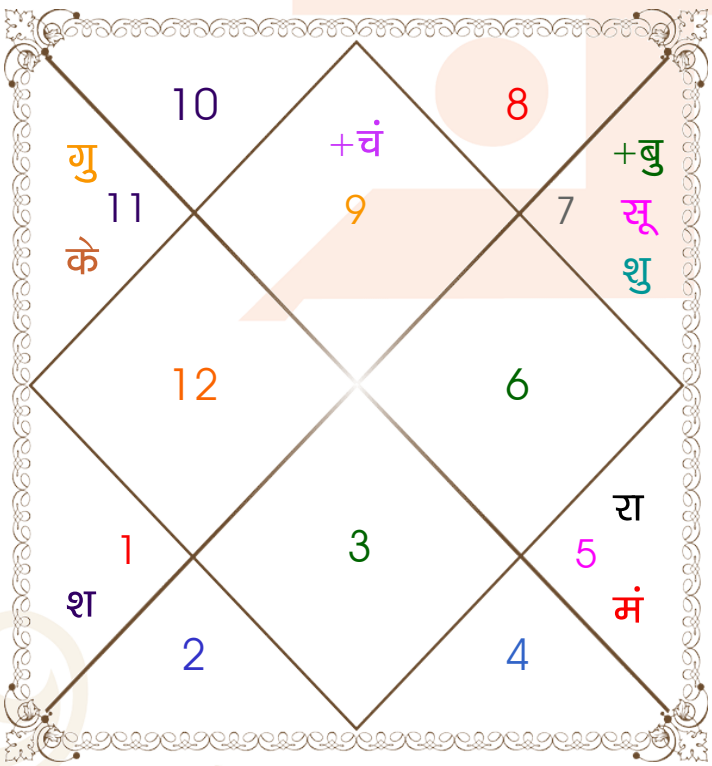

चन्द्र कुंडली

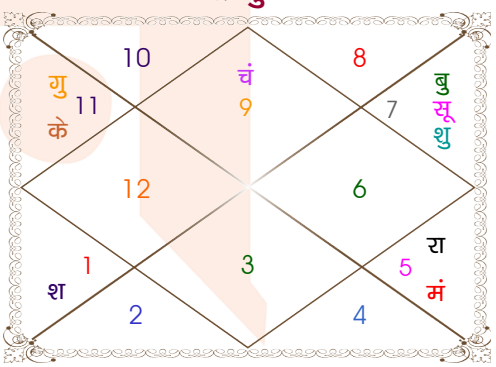

नवमांश कुंडली

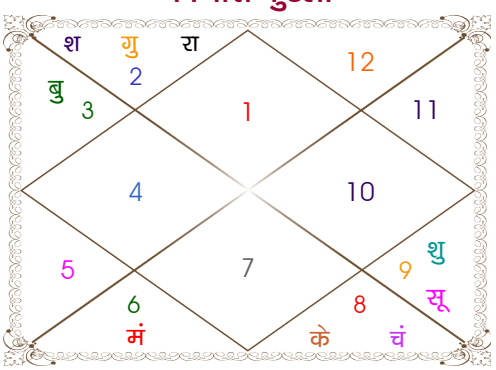

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 11 मास 28 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/10/1998		24/10/2001		25/10/2007		24/10/2017		24/10/2024	
24/10/2001		25/10/2007		24/10/2017		24/10/2024		25/10/2042	
	00/00/0000	सूर्य	11/02/2002	चंद्र	24/08/2008	मंगल	22/03/2018	राहु	07/07/2027
	00/00/0000	चंद्र	12/08/2002	मंगल	25/03/2009	राहु	10/04/2019	गुरु	30/11/2029
	00/00/0000	मंगल	18/12/2002	राहु	24/09/2010	गुरु	16/03/2020	शनि	06/10/2032
	00/00/0000	राहु	12/11/2003	गुरु	24/01/2012	शनि	25/04/2021	बुध	25/04/2035
	00/00/0000	गुरु	30/08/2004	शनि	24/08/2013	बुध	22/04/2022	केतु	13/05/2036
	00/00/0000	शनि	12/08/2005	बुध	24/01/2015	केतु	18/09/2022	शुक्र	13/05/2039
	27/10/1998	बुध	19/06/2006	केतु	25/08/2015	शुक्र	18/11/2023	सूर्य	06/04/2040
बुध	24/08/2000	केतु	25/10/2006	शुक्र	25/04/2017	सूर्य	25/03/2024	चंद्र	06/10/2041
केतु	24/10/2001	शुक्र	25/10/2007	सूर्य	24/10/2017	चंद्र	24/10/2024	मंगल	25/10/2042

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/10/2042		25/10/2058		24/10/2077		25/10/2094		25/10/2101	
25/10/2058		24/10/2077		25/10/2094		25/10/2101		00/00/0000	
गुरु	12/12/2044	शनि	27/10/2061	बुध	22/03/2080	केतु	23/03/2095	शुक्र	24/02/2105
शनि	25/06/2047	बुध	06/07/2064	केतु	19/03/2081	शुक्र	22/05/2096	सूर्य	24/02/2106
बुध	30/09/2049	केतु	15/08/2065	शुक्र	18/01/2084	सूर्य	27/09/2096	चंद्र	26/10/2107
केतु	06/09/2050	शुक्र	15/10/2068	सूर्य	23/11/2084	चंद्र	28/04/2097	मंगल	25/12/2108
शुक्र	07/05/2053	सूर्य	27/09/2069	चंद्र	25/04/2086	मंगल	24/09/2097	राहु	26/12/2111
सूर्य	23/02/2054	चंद्र	28/04/2071	मंगल	22/04/2087	राहु	12/10/2098	गुरु	26/08/2114
चंद्र	25/06/2055	मंगल	06/06/2072	राहु	08/11/2089	गुरु	18/09/2099	शनि	25/10/2117
मंगल	31/05/2056	राहु	13/04/2075	गुरु	14/02/2092	शनि	28/10/2100	बुध	28/10/2118
राहु	25/10/2058	गुरु	24/10/2077	शनि	25/10/2094	बुध	25/10/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 11 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।